

# **Aaja shama bansri bajaan baleya Nandlala Lyrics**

## **Aaja shama bansri bajaan baleya Nandlala Lyrics in Hindi**

आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया नंदलाला,  
नंदलाला मेरे गोपाला,  
आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया.

पिता ने प्रह्लाद नु पहाड़ों सुटेया,  
सुता होया प्यार ऐथे जाग उठेया,  
हो फुलां वाली सेज ते बिछान वालेया नंदलाला,  
नंदलाला मेरे गोपाला,  
आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया.

द्रोपदा ने सभा विच बाजां मारियां,  
द्वारका च बैठे सुन लईयां सारिया  
हो साड़िया दे ढेर लगान वालेया नंदलाला,  
नंदलाला मेरे गोपाला,  
आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया.

मिलने नू तेरा यार सुदामा आया सी,  
तू भी श्यामा झोपड़ी दा महल बनाया सी,  
यारा नल यारिया निभान वालेया नंदलाला,  
नंदलाला मेरे गोपाला,  
आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया.....

रथ नु चलान वाला रथवान सी,  
सानु भी तां चाहिए ऐसा भगवान सी,  
सारथी दा रूप बनान वालेया नंदलाला,  
नंदलाला मेरे गोपाला,  
आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया.

## **Aaja shama bansri bajaan baleya Nandlala Lyrics in English**

Aaja Shyaama bansuri bajan waleya Nandlala,  
Nandlala mere Gopala,  
Aaja Shyaama bansuri bajan waleya.

Pita ne Prahlad nu pahaadon sute yaa,  
Suta hoyo pyaar ithe jaag uthe yaa,  
Ho phullan wali sej te bichhan waleya Nandlala,  
Nandlala mere Gopala,  
Aaja Shyaama bansuri bajan waleya.

Draupada ne sabha vich bajaan maariyan,  
Dwaarka ch baithe sun lai yaan saariyaan,  
Ho saadiyan de dher lagaan waleya Nandlala,

Nandlala mere Gopala,  
Aaja Shyaama bansuri bajan waleya.

Milne nu tera yaar Sudama aaya si,  
Tu bhi Shyaama jhopadi da mahal banaya si,  
Yaaran naal yaariya nibhaan waleya Nandlala,  
Nandlala mere Gopala,  
Aaja Shyaama bansuri bajan waleya...

Rath nu chalaan wala rathbaan si,  
Saanu bhi taan chahiye aisa Bhagwaan si,  
Saarathi da roop banan waleya Nandlala,  
Nandlala mere Gopala,  
Aaja Shyaama bansuri bajan waleya.

## About Aaja shama bansri bajaan baleya Nandlala Bhajan in English

“Aaja Shyama Bansri Bajaan Waleya Nandlala” is a beautiful and heartfelt devotional bhajan dedicated to **Lord Krishna** in his beloved form of **Nandlala** (the son of Nand, also known as Krishna, who grew up in Gokul). This bhajan celebrates various aspects of Krishna’s divine life, from his childhood as a playful flute player to his roles as a loving friend, protector, and spiritual guide. The bhajan calls Krishna, with deep devotion, to come and play his divine flute (bansuri), creating an atmosphere of love and spirituality.

- **The Call to Krishna as the Flute Player:** The opening lines of the bhajan, “Aaja Shyama Bansri Bajaan Waleya Nandlala,” invite Krishna, the divine flute player, to come and play his flute. The mention of **Nandlala** refers to Krishna in his youthful form, known for his mischievous and loving nature, captivating the hearts of his devotees with the enchanting sound of his flute.
- **Krishna’s Childhood and Miracles:** The bhajan recalls stories from Krishna’s childhood, where his life was filled with divine miracles. “Pita ne Prahlad nu pahaadon suteeya, Suta hoya pyaar aithe jaag uthaya” (When his father tried to harm Prahlad, Krishna’s love awakened and protected him). This reflects Krishna’s divine power, his ability to save his devotees from evil, and his role as a protector and savior.
- **The Story of Draupadi and Krishna’s Intervention:** The bhajan also mentions the incident where **Draupadi** calls upon Krishna for help during her humiliation in the Kuru court. “Draupadi ne sabha vich baajan maarian, Dwaraka ch baithe sun layiyan saariyan” (Draupadi, in the court, was dishonored, and Krishna, seated in Dwarka, heard her call). This reflects Krishna’s constant readiness to help his devotees in times of distress and his ability to provide protection, especially in moments of deep helplessness.
- **Sudarshan and Krishna’s Friendship with Sudama:** The bhajan beautifully portrays the friendship between Krishna and **Sudama**, a humble devotee. “Milne nu tera yaar Sudama aaya si, Tu bhi Shyama jhopdi da mahal banaya si” (To meet you, Sudama came; you built a palace for him from a hut). This highlights Krishna’s deep love for his friends and his ability to transform their lives, symbolizing true spiritual friendship and devotion.
- **Krishna’s Role as a Charioteer:** The bhajan also alludes to Krishna’s role as a charioteer to **Arjuna** during the **Kurukshetra war**. “Rath nu chalan wala rathbaan si, Sanu bhi taan chahida aisa Bhagwan si” (Krishna was the charioteer, guiding Arjuna; we too need such a God). This emphasizes Krishna’s guiding role in the lives of his devotees, showing his wisdom

and leadership, both in the battlefield and in life.

- **Divine Attributes of Krishna:** The bhajan overall paints a picture of Krishna's divine attributes—his charm, compassion, protection, and leadership. It acknowledges Krishna as the supreme being, who is not only a playful and loving friend but also a wise and powerful guide, capable of guiding his devotees through all aspects of life.

Overall, “Aaja Shyama Bansri Bajaan Waleya Nandlala” is a beautiful expression of the many facets of **Lord Krishna**—the divine lover, the protector, the spiritual guide, and the compassionate friend. It calls upon Krishna to come and grace the devotee's life with his divine presence, filling the heart with love, peace, and joy. This bhajan highlights Krishna's eternal role in the hearts of his devotees, reminding them of his mercy, protection, and eternal love.

## About Aaja shama bansri bajaan baleya Nandlala Bhajan in Hindi

“आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया नंदलाला” भजन के बारे में

“आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया नंदलाला” एक अत्यंत भक्ति और प्रेम से भरा भजन है जो भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों को मनमोहक तरीके से प्रस्तुत करता है। इस भजन में कृष्ण के नंदलाल रूप का गुणगान किया गया है, जो अपने रास और बंशी की धुन से संसार को मोहित करने वाले हैं। यह भजन श्री कृष्ण के विविध रूपों—उनकी बचपन की लीलाएं, उनके भक्तों के प्रति प्रेम, और उनकी दिव्य शक्ति—का सुंदर चित्रण करता है।

- **कृष्ण का बंशी वादन :** भजन की शुरुआत में भक्त श्री कृष्ण को उनके प्रसिद्ध रूप “बंसरी बजान वाले” (फूल की बंशी बजाने वाले) के रूप में पुकारते हैं। यह बंशी की धुन न केवल भगवान कृष्ण के प्रेम और आकर्षण का प्रतीक है, बल्कि यह उनके भक्तों के दिलों में प्रेम और भक्ति की लहर भी उत्पन्न करती है। कृष्ण का बंशी वादन एक दिव्य ध्वनि है, जो भक्तों को खुद से जोड़ने का माध्यम है।
- **प्रह्लाद की कथा :** भजन में प्रह्लाद की कहानी का भी उल्लेख है, जहाँ उनके पिता ने उन्हें परेशान किया, लेकिन कृष्ण ने अपनी कृपा से उन्हें बचाया। “पिता ने प्रह्लाद नु पहाड़ों सुटेया, सुता होया प्यार ऐथे जाग उठेया” पंक्ति में भगवान कृष्ण की दिव्य शक्ति और भक्तों के प्रति उनकी असीम ममता को दर्शाया गया है। यह घटना यह दिखाती है कि कृष्ण अपने भक्तों की रक्षा के लिए हर समय तैयार रहते हैं।
- **द्रौपदी और कृष्ण का हस्तक्षेप :** भजन में द्रौपदी के सम्मान की रक्षा के लिए कृष्ण के हस्तक्षेप का भी उल्लेख है। “द्रौपदी ने सभा विच बाजां मारियां, द्वाका च बैठे सुन लईयां सारियां” पंक्ति में यह दर्शाया गया है कि कृष्ण ने द्रौपदी की पुकार को सुना और उनकी मदद के लिए तुरंत हस्तक्षेप किया। यह पंक्ति कृष्ण की भक्तों के प्रति निरंतर देखभाल और रक्षा की भावना को व्यक्त करती है।
- **सुदामा से मित्रता :** भजन में सुदामा और कृष्ण के बीच की मित्रता का भी उल्लेख किया गया है। “मिलने नू तेरा यार सुदामा आया सी, तू भी श्यामा झोपड़ी दा महल बनाया सी” पंक्ति में कृष्ण के सच्चे मित्र सुदामा के प्रति प्रेम को दिखाया गया है। कृष्ण ने अपनी मित्रता को दर्शाते हुए सुदामा को उनकी झोपड़ी में महल का अनुभव दिया, यह दिखाता है कि कृष्ण अपने भक्तों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।
- **कृष्ण का सारथी रूप :** भजन में कृष्ण के सारथी रूप का भी उल्लेख है, जब उन्होंने अर्जुन को महाभारत युद्ध में मार्गदर्शन दिया। “रथ नु चलान वाला रथवान सी, सानु भी तां चाहिए ऐसा भगवान सी” पंक्ति में यह बताया गया है कि जैसे कृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के मैदान में सही मार्गदर्शन दिया, वैसे ही हम सभी को अपने जीवन के संघर्षों में कृष्ण के मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर, “आजा श्यामा बंसरी बजान वालेया नंदलाला” भजन भगवान श्री कृष्ण के प्रेम, रक्षा, मार्गदर्शन और दिव्य शक्ति का चित्रण करता है। यह भजन भक्तों को भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों से जोड़ता है और उनके प्रेम में खो जाने की प्रेरणा देता है। भजन के माध्यम से भक्त कृष्ण से आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं, यह मानते हुए कि कृष्ण की कृपा से उनका

जीवन रोशन हो जाएगा।